डीएवी पीजी कॉलेज के वाणिज्य विभाग ने ऑनलाइन इंडक्शन एंड ओरियंटेशन प्रोग्राम का आयोजन दिनांक 14 /12/2020 को संपन्न किया। मुख्य प्रवक्ता काशी हिंदू विश्वविद्यालय के वाणिज्य विभाग के वरिष्ठ प्रोफेसर एच के सिंह थे। स्वागत भाषण डीएवी पीजी कॉलेज के वाणिज्य विभाग के विभाग प्रमुख डॉक्टर पी कमल ने किया एवं theme presentation और विभाग के बारे में जानकारी डॉ आनंद सिंह के द्वारा दी गई । संचालन डॉ तरु सिंह ने किया।

मुख्य प्रवक्ता प्रोफेसर एच के सिंह ने बताया के भविष्य में business education का ही बोल बाला होना है।इसमें commerce, economics and management के छात्रों को भरपूर फायदा होगा। IAS, PCS, UPPSC etc में अब accountancy के weightage को बढ़ा दिया गया है, जो कॉमर्स के छात्रों के लिए बहुत ही लाभदायक सिद्ध होगा। IIM से Ph. D करने वाले कॉमर्स के विद्यार्थियों को भी eligible कर दिया गया है, जिससे अब वाणिज्य के छात्र भी IIM ki डिग्री प्राप्त कर सकेंगे।

Prof Singh ने AERA कॉन्सेप्ट का विस्तृत वर्णन किया

A - Academic

E - Extension Activities

R - Research

A - Administration

Academic

के अंतर्गत छात्रों को सम्पूर्ण ज्ञान के साथ साथ विभिन्न भागों में समन्वय स्थापित करने कि कला आनी चाहिए। प्रोडक्शन और मार्केटिंग अलग अलग है पर छात्रों को दोनों के बीच समन्वय स्थापित करना आना चाहिए, तभी संस्था का भला होगा

Extension Activities - इसमें भी बच्चों को पारंगत होना होगा। आज इस corona काल में भी हम लोग इंटरनेट के माध्यम से जुड़ सके है, क्युकी हम लोगो को इसका ज्ञान हो सका।

Research - commerce के विद्यार्थियों का पूरा ध्यान primary data based research पर होना चाहिए। ऐसे शोध ही समाज को उन्नति के रास्ते पर ले जा सकते है। ऐसे शोध ही समाज के लिए लाभदायक होते है।

Administration - शिक्षकों को अच्छे अध्यापक होने के साथ साथ एक अच्छा प्रशासक भी होना चाहिए। उन्हे AC model (Any Condition) पर काम करना चाहिए।

प्रोफेसर एच के सिंह ने कहा के संस्था का भला केवल dedicated faculty members से ही हो सकता है।DAV College पूरे उत्तर प्रदेश का एक मात्र डिग्री कॉलेज है जो NAAC द्वारा A+ ग्रेड से सुशोभित है। ऐसा निसंदेह वहां के प्राचार्य का कुशल नेतृत्व और समस्त कर्मचारियों के सम्पूर्ण समर्पण भाव कि वज़ह से ही संभव हुआ है। इस अवसर पर लगभग 60 लोग मौजूद थे।

धन्यवाद ज्ञापन डॉ साक्षी चौधरी ने दिया।